सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में अग्नि सुरक्षा शिविर-सह-कार्यशाला का आयोजन

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की अग्रणी अनुसंधान प्रयोगशाला **सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी** में 29 जून, 2026 को **अग्नि सुरक्षा शिविर-सह-कार्यशाला (Fire Safety Camp-cum-Workshop)** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना तथा आग लगने जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली आवश्यक एवं महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रक्रियाओं से अवगत कराना था। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के विद्युत एवं यांत्रिक अभियांत्रिकी (EME) प्रभाग द्वारा **संस्थान सुरक्षा समिति (Institute Safety Committee)** के समन्वय से किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं प्रशिक्षार्थी-विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अग्नि संबंधी जोखिमों एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी देते हुए आमंत्रित वक्ता श्री नवीन कुमार, लक्ष्मी फायर सॉल्युशंस, पिलानी

कार्यशाला के दौरान आमंत्रित अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ श्री नवीन कुमार, लक्ष्मी फायर सॉल्युशंस, पिलानी ने आग लगने के प्रमुख कारणों, विभिन्न प्रकार की आग तथा उनसे उत्पन्न होने वाले संभावित जोखिमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि समय रहते उचित सावधानियां अपनाकर तथा सही अग्निशमन उपकरणों का उपयोग कर अधिकांश दुर्घटनाओं को न केवल प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है अपितु जानमाल की हानि से भी बचा जा सकता है।

अग्नि सुरक्षा उपायों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन करते हुए श्री नवीन कुमार और अवलोकन करते हुए प्रतिभागी

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों/सिलिंडरों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन रहा। अतिथि विशेषज्ञ ने कार्यालयों, प्रयोगशालाओं तथा आवासीय परिसरों में लगने वाली सामान्य आग पर नियंत्रण के लिए प्रयुक्त विभिन्न अग्निशामक सिलेंडरों का परिचय कराया तथा उनके सही एवं सुरक्षित उपयोग की व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आग के स्वरूप और व्यापकता के अनुसार अलग-अलग प्रकार के अग्निशामक यंत्र एवं सिलिंडर आदि उपयुक्त होते हैं तथा विलंब एवं गलत अग्निशामक के उपयोग से दुर्घटना अधिक गंभीर हो सकती है।

प्रदर्शन के दौरान विशेषज्ञ ने विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों के संचालन की चरणबद्ध प्रक्रिया समझाते हुए प्रतिभागियों को उनके वास्तविक उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को आग लगने की प्रारंभिक अवस्था में त्वरित एवं सही कार्रवाई करने के महत्व पर विशेष बल दिया तथा

आवश्यकता पड़ने पर शीघ्रातिशीघ्र अग्निशमन विभाग एवं संबंधित आपातकालीन नंबरों/सेवाओं पर तत्काल सूचना देने की सलाह दी।

विशेषज्ञ ने बताया कि इस प्रकार की आपात स्थिति में घबराने के बजाय शांत रहकर निर्धारित निकासी मार्ग का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने धुएं से बचाव, लिफ्ट का उपयोग न करने, सीढ़ियों का प्रयोग करने, निकासी के दौरान हड़बड़ी न करने , अनुशासन बनाए रखने, परस्पर सहयोग से अग्नि स्थल से सभी व्यक्तियों के सुरक्षित रूप से बाहर निकलने जैसी महत्वपूर्ण सावधानियों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही ऐसी घटनाओं में मानव जीवन के जोखिम को न्यूनतम करने के व्यावहारिक उपाय भी साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ की निगरानी में प्रतिभागियों ने भी अग्निशामक सिलिंडरों के उपयोग का अभ्यास किया एवं अग्नि सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ से प्रश्न पूछे, जिनका आमंत्रित विशेषज्ञ ने सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रश्नकर्ताओं की जिज्ञासा का समाधान किया। इससे प्रतिभागियों को दैनिक जीवन एवं कार्यस्थल पर अग्नि सुरक्षा उपायों को प्रभावी ढंग से अपनाने की उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई।

कार्यक्रम के अंत में ईएमई प्रभाग के प्रमुख श्री नरेन्द्र सिंह मीणा, सहायक अधिशासी अभियंता ने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे अग्नि सुरक्षा संबंधी नियमों एवं मानकों का नियमित रूप से पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति में सतर्कता, संयम एवं उचित प्रशिक्षण के आधार पर कार्य करते हुए स्वयं तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। अंत में उन्होंने व्यावहारिक एवं महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए आमंत्रित अतिथि एवं कार्यक्रम में प्रतिभागिता के लिए सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रतिभागियों द्वारा अग्नि शमन अभ्यास